



भारतीय रिज़र्व बैंक
(विदेशी मुद्रा विभाग)
केंद्रीय कार्यालय
मुंबई-400001

अधिसूचना सं. फेमा 5(आर)/(4)/2024-आरबी

06 मई, 2024

विदेशी मुद्रा प्रबंध (जमा) (चौथा संशोधन), विनियमावली, 2024

विदेशी मुद्रा प्रबंध अधिनियम, 1999 (1999 का 42) की धारा 47 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय रिज़र्व बैंक एतद्वारा विदेशी मुद्रा प्रबंध (जमा) विनियमावली, 2016 ([दिनांक 01 अप्रैल 2016 की अधिसूचना सं.फेमा.5\(आर\)/2016-आरबी](#)) (जिसे इसके पश्चात “मूल विनियमावली” कहा गया है) में निम्नानुसार संशोधन करता है, यथा:-

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ:

- (i) यह विनियमावली विदेशी मुद्रा प्रबंध (जमा) (चौथा संशोधन) विनियमावली, 2024 कहलाएगी।
- (ii) यह विनियमावली [सरकारी राजपत्र](#) में इसके प्रकाशन की तारीख से लागू होगी।

2. मूल विनियमावली के विनियम 7 में संशोधन:

मूल विनियमावली में, विनियम 7 में, उप-विनियम 5 के बाद, निम्नलिखित नया उप-विनियम जोड़ा जाएगा, यथा;

“6. भारत में स्थित प्राधिकृत व्यापारी [23 अक्टूबर 2020 की विदेशी मुद्रा प्रबंध \(डिरिवेटिव संविदाओं हेतु मार्जिन\) विनियमावली, 2020](#), समय-समय पर यथासंशोधित, के अनुसार भारत के बाहर निवासी व्यक्ति को यह अनुमति दे सकता है कि वह अपने द्वारा किए गए किसी अनुमति-प्राप्त डिरिवेटिव संविदा के लिए भारत में मार्जिन राशि भेजने और उसे प्राप्त करने के उद्देश्य से भारतीय रुपये में और/ या विदेशी मुद्रा में व्याज-अर्जक खाता खोल सके, धारण कर सके और बनाए रख सके बशर्ते वह इस संबंध में रिज़र्व बैंक द्वारा जारी निर्देशों का पालन करता हो।”

[भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग III, खण्ड 4 में दिनांक 06 मई, 2024 को प्रकाशित](#)

(लता राधाकृष्णन)
महाप्रबंधक (प्रभारी अधिकारी)

फुट नोट: मूल विनियमावली को जीएसआर सं.389 (ई), दिनांक 1 अप्रैल 2016 द्वारा सरकारी राजपत्र के भाग II खण्ड 3, उप-खण्ड (i) में प्रकाशित किया गया था और इसे बाद में निम्नलिखित के माध्यम से संशोधित किया गया

[09.11.2018 की जीएसआर सं.1093 \(ई\)](#)

[16.07.2019 की जीएसआर सं. 498 \(ई\)](#)

[सं.फेमा 5\(आर\)/\(3\)/2019-आरबी, दिनांक 13 नवम्बर 2019](#)